तर्ज- तुझे क्या सुनाऊं मैं दिलरूबा

दर्दे दिल है आपके सामने,
और सामने सब हाल है
जब राज़दां ही आप हैं,
छुप न सके जो हवाल है

1- क्या नज़र करें हम आपको,
हम तो किसी काबिल नहीं
दामन में भर दी न्यामतें,
मेहरबानगी का कमाल है

2- क्या बतायें दिल की हसरतें
क्या बतायें दिल की ख्वाहिशें
उस दिल की कुछ न बता सके,
जिस दिल में नूरे जमाल हैं

Nijanand App

3- नूरे मुकाम जो आपका
वो ठिकाना सुन्दरसाथ का
राहें इश्क से गुजरे बिना
वो मुकाम पाना मुहाल है

4- रहमत से जो भी बख्श दी
दौलत वो हमको अजीज है
क्या कम है ये ए मेरे धनी
तुमको हमारा ख्याल है

5- पहुँचे अर्ज कैसे आपको
नासूत के अल्फाज़ हैं
खुद आप जान ही लीजिये,
क्या रूह के जज्बात हैं

Nijanand App